Press Coverage of the Workshop On 'Energy Consumption And Conservation Opportunities In Panipat Textile Cluster' On 7 April 2016 At Panipat

Jagran (8.4.2016)

एलईडी की गुणवत्ता का ध्यान रखे सरकार : सचदेवा

जागरण संवाददाता, पानीपत : शक्ति एनर्जी फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से हरियाणा चैंबर ऑफ कामर्स की तरफ से बृहस्पतिवार को जीटी रोड स्थित एक होटल में एनर्जी कन्वरसेशन ऑपरेटिव पानीपत टेक्सटाइल किलोस्टर विशेष पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य पावर सेविंग, बवायर में यूज होने पर मैटिरियल की सेविंग, 30 प्रतिशत की सेविंग होने पर प्रदेश सरकार की तरफ से स्पेशल रियायतें देकर व्यापार को बढ़ावा देना है।

फाउंडेशन के महाप्रबंधक पवन कुमार तिवारी ने कहा है कि अगर व्यापारी वर्ग सेविंग को लेकर सहयोग करेगा तो उनकी फैक्ट्रियों का दौरा करके पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हरियाणा चैंबर ऑफ कामर्स के सचिव विनोद कुमार खंडेलवाल ने कहा कि पानीपत में डस्ट इतनी अधिक है कि मशीनरी को चलाना और पावर की सेविंग के बारे में सरकार को सुझाव देने चाहिए। उद्योगों को जितनी बिजली की जरूरत है, क्या सरकार उपलब्ध करा पाएगी। प्रधान प्रीतम सिंह सचदेवा ने कहा है कि एलईडी लाइट आने के बाद क्या सरकार अपनी देखरेख में रखेगी, ताकि एलईडी की गुणवत्ता बरकरार रह सके। इस अवसर पर नवीन गुलाटी, पुरुषोत्तम शर्मा, धनराज बंसल, सतीश गोयल, राजेंद्र खुराना, राकेश गर्ग, भारत बवेजा, भीम राणा उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar (8.4.2016)

संगोष्ठी

हरियाणा चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित किया गया सेमिनार

'सौर ऊर्जा उपकरण अपनाएं उद्यमी, लागत घटेगी'

भास्कर न्यूज | पानीपत

हरियाणा चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक निजी होटल में ऊर्जा संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय था- टेक्सटाइल इंडस्ट्री में ऊर्जा का संरक्षण कैसे किया जाए। संगोष्ठी में टेक्सटाइल उद्योग में उपयोग होने वाली मशीनों के उचित प्रयोग पर जोर दिया गया ताकि ऊर्जा की खपत कम से कम हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता चैंबर्स के चेयरमैन प्रीतम सचदेवा ने की। सचिव विनोद खंडेलवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता पवन तिवारी ने कहा कि ऊर्जा आज किसी भी उद्योग के लिए बहुत जरूरी है। जिस स्थान और क्षेत्र में ऊर्जा की खपत ज्यादा होती है, उसे उतना ही समृद्ध माना जाता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ ऊर्जा के व्यर्थ जाने पर रोक लगाना भी जरूरी है, क्योंकि इस क्षेत्र में बिजली के कटों से भी उद्योगपतियों को काफी जूझना पड़ता है। इसके लिए ऊर्जा का सर्वोत्कृष्ट उपयोग होना चाहिए। इस दिशा में किए गए प्रयास ऊर्जा बचत के लिए नए प्रयोग भी लेकर आते हैं। यदि उद्योगों में ऊर्जा की अनावश्यक खपत पर रोक लगा दी जाए तो कुल उत्पादन लागत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी की जा सकती है। आधुनिक मशीनों के संचालन और इस माध्यम से ऊर्जा बचत के लिए प्रशिक्षित कारीगरों का भी बड़ा योगदान है। इसलिए समय-समय पर कर्मचारियों को इस बारे में प्रशिक्षित और प्रोत्साहित करना चाहिए।

बिजली की होगी बचत, खर्च 20 प्रतिशत तक कम होगा

पवन तिवारी ने कहा कि उद्योगों में बॉयलर, स्पिनिंग, निटिंग व अन्य मशीनों का संचालन ऊर्जा कुशल तकनीकों का इस्तेमाल करके भी बिजली की बचत की जा सकती है। सौर ऊर्जा भी बेहतर विकल्प हो सकता है। सौर ऊर्जा व लंबे समय तक चलने वाले ऊर्जा के स्रोतों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग भी ऊर्जा बचत में योगदान दे सकता है। इसलिए उद्योगों को सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर नवीन गुलाटी, धनराज बंसल, हैंडलूम एक्सपोर्ट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रधान रमेश वर्मा, द पानीपत डायर्स एसोसिएशन के प्रधान भीम राणा और राकेश गर्ग मौजूद रहे।